दिल्ली पुलिस समाचार

अंक 111 जुलाई-अगस्त, 2016 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका



केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री हंसराज गंगाराम अहीर का पुलिस मुख्यालय दौरा

सुरक्षा प्रबंधों को पुख्ता बनाने, कुख्यात अपराधियों और इनामी बदमाशों की गिरफ्तारी करने के लिए आप सभी प्रशंसा के पात्र हैं: पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा



15 अगस्त, 2016 की प्रातः पुलिस मुख्यालय प्रांगण में आयोजित 70वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार** ने सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दी। इस मौके पर सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के दौरान दिल्ली में सुचारू कानून–व्यवस्था बनाए रखने और समारोह को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने में आप सबकी भूमिका प्रशंसनीय और सराहनीय है। ऐसे विशाल सुरक्षा प्रबंधों की सफलता केवल अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा, परस्पर सहयोग और सूचनाओं के आदान–प्रदान पर निर्भर करती है और ये सभी बातें दिल्ली पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों में सदैव अनुकरणीय रही है। उन्होंने इन सफल सुरक्षा प्रबंधों पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई दी और आशा प्रकट की कि भविष्य में भी आप सभी इसी निष्ठा और समर्पण भाव से अपने कर्तव्य को अंजाम देते रहेंगे।

पुलिस आयुक्त, महोदय ने विभिन्न मौकों पर अपराध शाखा, स्पेशल सेल व जिला/यूनिटों की टीमों की प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह आपकी पेशेवर कार्यप्रणाली और सजगता का परिणाम है कि दिल्ली पुलिस ने पिछले कुछ महीनों में ही कई संगीन व संवेदनशील मामलों में शामिल कुख्यात एवं खूंखार बदमाशों को धर–दबोचा है। पिछले दिनों पुलिस मुख्यालय स्तर पर 129 कुख्यात एवं ईनामी अपराधियों की जो सूची तैयार की गई थी उसमें लगभग 60 खूंखार एवं ईनामी बदमाशों को पकड़ लेना आपकी काबलियत और पेशेवर निपुणता को दर्शाता है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठकों में उन्होंने कहा है कि फरार/सक्रिय, दुष्चरित्र व घोषित अपराधियों पर भी नज़र बनाए रखें।

उन्होंने कहा है कि नागरिकों के साथ बेहतर सामंजस्य स्थापित करने, उनका विश्वास अर्जित करने और उनकी शिकायतों का निवारण करने के लिए समय समय पर जनसभाएँ आयोजित करते रहें। ऐसे सामुदायिक नीति अपनाए जिससे दिल्ली पुलिस द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं में समाज का हर वर्ग अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वरिष्ठ अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मियों के कल्याणार्थ कार्यो के प्रति भी सजग रहें। इसके साथ ही फिल्ड में काम करने वाले पुलिसकर्मियों विशेषकर ट्रैफिक पुलिस से जुड़े पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार करने वालों के खिलाफ कानूनसम्मत कार्यवाही करें।

पिछले दिनों दिल्ली के सुभाष नगर इलाके में हुई एक सड़क दुर्घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे मौकों पर पुलिसकर्मियों को ज्यादा संवेदनशील और सक्रिय होना चाहिए। यह न केवल इंसानियत के नाते बल्कि कानून के रखवाले होने के नाते हमारी दोहरी जिम्मेवारी बनती है कि हम सड़क दुर्घटना से पीड़ित व्यक्ति की तत्काल यथासंभव मदद करें। इस संबंध में माननीय उच्चतम न्यायलय ने भी दिशा–निर्देश जारी किये हुए है कि पीड़ित/घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था करें और अस्पताल में तैनात डॉक्टर भी बिना जरूरी औपचारिकताएँ पूरी किये घायल का उपचार शुरू करें। सड़क हादसे के शिकार की मदद करने वालों को किसी प्रकार से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस द्वारा जनहित में जारी एक विज्ञापन में भी कहा गया है 'जब प्रत्येक क्षण कीमती हो, वहाँ सवाल नहीं' कुछ कानूनी प्रक्रियाओं की वजह से आम नागरिक घायलों की मदद करने में संकोच महसूस करता है। परन्तु अब ऐसी व्यवस्था की गई है कि सड़क दुर्घटना में घायल को अस्पताल पहुँचाने वाला मददगार अपनी पहचान बताये बिना भी अस्पताल से जा सकता है। ऐसे मौकों पर पुलिसकर्मियों का व्यवहार ऐसे मित्रवत् और संवदेनशील होना चाहिए कि नागरिक किसी भी अपरिचित घायल को अस्पताल पहुंचाने में निःसंकोच आगे आएं।

पिछले दिनों हमने अपने एक बहादुर और कर्तव्यनिष्ठ कां. आनंद सिंह को बदमाशों के साथ हुई एक मुठभेड़ में खो दिया। जिसका हमें गहरा दुख है। परन्तु हमें उसकी वीरता और कर्तव्यपरायणता पर गर्व है। ऐसे जांबाज पुलिसकर्मी द्वारा मौके पर पीड़ित की मदद करने के जज्बे और ड्यूटी के दौरान अपने प्राणों का बलिदान के लिए तत्पर रहने की अनुकरणीय मिसाल से समाज में विभाग का नाम रोशन होता है और नागरिकों में आपनी सुरक्षा के प्रति पुलिस को लेकर विश्वास पैदा होता है। हमें कां. आनंद सिंह की शहादत दुख के साथ–साथ गर्व की अनुभूति है।

70वें स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम



राष्ट्रीय ध्वज को सलामी के लिए तत्पर पुलिस टुकड़ी



राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा



पुलिस मुख्यालय प्रांगण में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में शिरकत करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण

मालवीय नगर पुलिस कॉलोनी की आर.डब्लू.ए. द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण समारोह

15 अगस्त, 2016 को 70वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पुलिस प्रशिक्षण स्कूल, मालवीय नगर की आवास कल्याण समिति ने ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर **दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति** की **अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा** मुख्य अतिथि थी। मालवीय नगर वेलफेयर सेंटर की संचालिका **श्रीमती गीता पाठक** एवं **श्रीमती मनीषा भाटिया** ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। मुख्य अतिथि महोदया ने कॉलोनी के निवासियों और समिति की पदाधिकारियों के उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज लहराया और सम्बोधित किया। इस अवसर कॉलोनी के नौनिहालों ने मंच पर देशभक्ति से प्रेरित कार्यक्रम प्रस्तुत किये। समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा ने बच्चों को बधाई देते हुए उन्हें पुरस्कार वितरित किये।



मालवीय नगर पुलिस कॉलोनी में ध्वजारोहण करती हुई श्रीमती शेफाली वर्मा



पुलिस कॉलोनी मालवीय नगर के नौनिहाल स्वतंत्रता दिवस पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए



ध्वजारोहण समारोह में शामिल समिति की वरिष्ठ पदाधिकारी एवं मालवीय नगर पुलिस कॉलोनी के निवासी।

केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री हंसराज गंगाराम अहीर का पुलिस मुख्यालय दौरा



केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री का स्वागत करते हुए पुलिस आयुक्त



गार्द टुकड़ी का निरीक्षण केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री



पुलिस मुख्यालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री



पुलिस कंट्रोल रूम का निरीक्षण करते हुए केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री



सी4आई की कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए विशेष पुलिस आयुक्त श्री संजय बेनीवाल



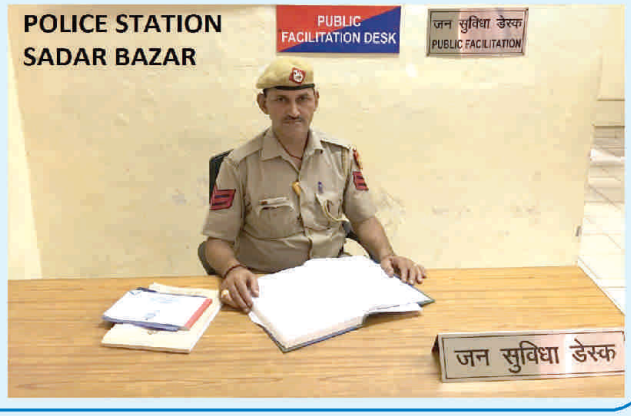
पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री हंसराज गंगाराम अहीर को पुलिस स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए

जन सुविधा डेस्क



दिल्ली पुलिस भारत सरकार का एक अति विशिष्ट अंग हैं। दिल्ली पुलिस व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है इसीलिए आम नागरिक परेशान होने पर या तो 100 नम्बर पर कॉल करता है या फिर थाने में जाकर अपनी परेशानी बतलाता है। हर शिकायतकर्ता चाहता है कि उसकी परेशानी को ध्यानपूर्वक सुनकर उसका तत्काल समाधान निकाला जाए। अति व्यस्त होने के कारण कई बार पुलिस उनकी अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पाती। परिणामस्वरूप आम जनता पुलिस को संदेह की नज़रों से देखती हैं और उनमें परस्पर दूरी बढ़ने की संभावना उत्पन्न हो जाती है।

वर्तमान में प्रत्येक पुलिस स्टेशन में ऐसी व्यवस्था है कि पुलिस स्टेशन में आने वाले शिकायतकर्ता या आगुंतक को सर्वप्रथम ड्यूटी आफिसर द्वारा सुना जाता है। ड्यूटी आफिसर उनकी शिकायत/परेशानी को थाने में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाता है। परन्तु कई बार ड्यूटी आफिसर पूर्व निर्धारित दायित्व की पूर्ति या अन्य किन्हीं कारणों से व्यस्थ होने के कारण शिकायतकर्ता या आगुंतक को संतोषजनक तरीके से अटेंड नहीं कर पाता। इसके साथ ही थानाध्यक्ष या जांच अधिकारी फील्ड में होने, अदालत में होने या अन्य किन्हीं आवश्यक कारण से थाने में उपस्थित नहीं हो पाते। ऐसी परिस्थितियों में शिकायतकर्ता/आगुंतक का पुलिस कार्यप्रणाली के प्रति अविश्वास उत्पन्न होना स्वभाविक हो जाता है।



आम जनता और पुलिस के बीच की इस दूरी को कम करने के लिए अब दिल्ली के प्रत्येक पुलिस स्टेशन में जन सुविधा डेस्क स्थापित किये गये है। इस डेस्क पर तैनात पुलिसकर्मी शिकायतकर्ता की शिकायत को ध्यानपूर्वक सुनेगें और उनकी परेशानियों को हल करेंगे। इन जन सुविधा डेस्कों पर प्रशिक्षण प्राप्त पुलिस अफसर तैनात रहेंगे जो सहानुभूतिपूर्वक व धैर्यपूर्वक लोगों की समस्या सुनकर उन्हें उचित विकल्प प्रदान करेंगे।

एस.बी.के. सिंह (आईपीएस)

राजनिवास में आयोजित एक कार्यक्रम में उपराज्यपाल माननीय श्री नजीब जंग द्वारा स्वतंत्रता सेनानी सम्मानित

आजादी के 70वें स्वतंत्रता दिवस की याद में 23 अगस्त, 2016 को राजनिवास, उपराज्यपाल कार्यालय में स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से **"याद करो कुर्बानी"** कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त निवास पर तैनात **एएसआई ओमबीर** के दादाजी **स्वतंत्रता सेनानी श्री लाजपत राय यादव** भी शामिल हुए। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान श्री लाजपतराय यादव ने आसिफाबाद (आंध्र प्रदेश) लगभग 17 वर्ष जेल में बिताये जहां पं0 जवाहर लाल नेहरू ने जेल में उनसे मुलाकात कर उनका हौसला–अफज़ाई की। 1939 में सेवा ग्राम वर्धा (महाराष्ट्र) में महात्मा गाँधी से मुलाकात के बाद उन्होंने द्वितीय विश्वयुद्ध में भी हिस्सा लिया। समारोह में श्री लाजपत राय यादव ने **महामहिम उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग** और **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** से मुलाकात की। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान विभिन्न देशों की यात्रा करने वाले 96 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी श्री लाजपत राय यादव आज भी अपने दैनिक योगाभ्यास के कारण मानसिक व शारीरिक तौर पर तंदुरूस्त हैं।



उप राज्यपाल महामहीम श्री नज़ीब जंग एवं पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा स्वतंत्रता सेनानी श्री लाजपत राय यादव से बातचीत करते हुए

गुजरात के राज्यपाल माननीय प्रो0 ओ0पी0कोहली द्वारा पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा सम्मानित

27 अगस्त, 2016 को इंडिया इंटरनेशल सेंटर, लोधी कॉलोनी में आयोजित एक कार्यक्रम में गुजरात के राज्यपाल माननीय प्रो0 ओ.पी. कोहली ने **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** को सम्मानित किया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के चेयरमैन प्रो0 वेद प्रकाश के तत्वाधान में Capital Foundation Society द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में Producing World Class Universities: Challenges & Prospects विषय पर डिबेट हुई और Capital Foundation National Awards दिये गये। कार्यक्रम में गुजरात के राज्यपाल प्रो0 ओ0पी0कोहली मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महान विभूतियों को समाज में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।



गुजरात के राज्यपाल से ट्राफी प्राप्त करते हुए पुलिस आयुक्त

पुलिस मुख्यालय में अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक आयोजित

27 जुलाई, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** की अध्यक्षता में अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अलावा हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, जम्मू–कश्मीर एवं चंडीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान आतंकवाद और सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर विचार–विमर्श हुआ विशेषकर स्वतंत्रता दिवस और कांवड यात्रा के सुरक्षा प्रबंधों को लेकर। परस्पर सूचनाओं के आदान–प्रदान के साथ–साथ संवदेनशील क्षेत्रों में नियमित चैंकिंग, होटलों, गेस्ट–हाउसों आदि पर निरंतर निगरानी रखे जाने पर जोर दिया गया। पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने कहा हमें आतकंवादियों और खतरनाक बदमाशों पर अकुंश लगाने के साथ–साथ नकली भारतीय मुद्रा, अवैध शराब, अवैध हथियार एवं यातायात प्रबंधन पर विशेष जोर देने की आवश्यकता है ताकि हम दिल्ली व एनसीआर के लोगों को सुरक्षा एवं सुरक्षित वातवारण मुहैया कराने की अपनी कसौटी पर खरे उतर सकें।



पुलिस परिवार गौरवान्वित है, अपने पुलिस पदक विजेताओं पर

जैसा कि आप सभी को विदित है कि हर वर्ष गणतंत्रता दिवस और स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्वो पर सेना, अर्धसैनिक बलों और पुलिस बलों के कुछ चुनिंदा अधिकारियों एवं कर्मियों को उनकी जीवन रक्षक सेवाओं के लिए, बहादुरी के लिए, विशिष्ट सेवाओं के लिए और सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष भी 70वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर दिल्ली पुलिस के कुल 21 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को बहादुरी के लिए, विशिष्ठ सेवाओं के लिए और सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। इनमें 4 पुलिस अधिकारियों/कर्मियों को बहादुरी के लिए, 01 पुलिसकर्मी को विशिष्ट सेवाओं के लिए जबकि 16 पुलिस अधिकारियों/कर्मियों को सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है।

शौर्य के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित

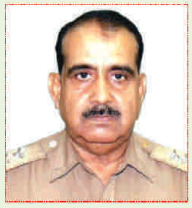

एसआई कृष्ण कुमार


एएसआई अजयबीर सिंह


हैडकां. राजकुमार


हैडकां. उमेश कुमार

विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित


उप-निरीक्षक गिरधारी लाल

सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित

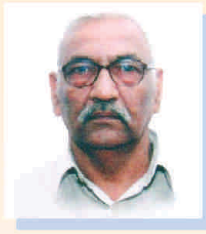

एसीपी श्री रविन्द्र कुमार त्यागी


इंस्पेक्टर हृदय भूषण


इंस्पेक्टर ललित मोहन नेगी


इंस्पेक्टर श्रीमती कौशल पांड्े


एस आई रमेश कुमार शर्मा


एसआई धर्मवीर भारद्वाज


एसआई रमेश कुमार


एसआई करतार सिंह


एएसआई धर्मबीर सिंह


हैडकां0 बालानाथ


हैडकां0 नरेन्द्र पाल सिंह


हैडकां श्याम बाबू


हैडकां0 अवतार सिंह


हैडकां0 सतेन्द्र कुमार


कां0 सज्जाद अली


महिला कां0 जसबीर कौर

विभिन्न जिला/यूनिटों में तैनात 36 पुलिसकर्मियों को बारी से पहले तरक्की

31 अगस्त, 2016 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक आदेशानुसार दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों में तैनता 36 पुलिसकर्मियों को बारी से पहले तरक्की दी गई है। विभिन्न मौकों पर अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा, अच्छी सूझबूझ और अनुकरणीय पेशेवर निपुणता का परिचय देने वाले 36 पुलिसकर्मियों को बारी से पहले तरक्की देकर हैडकां0, एएसआई, एएसआई (ड्राईवर) एसआई तथा इंस्पेक्टर बनाया गया है। बारी से पहले तरक्की पाने वालों में शामिल हैं:



एसआई सुनील कुमार



एएसआई यशपाल सिंह



एएसआई महेन्द्र सिंह



एएसआई सुन्दर गौतम



है.कां. रघुबीर सिंह



है.कां. समय सिंह



है.कां. शिवमंगल



है.कां. उमेश कुमार



है.कां. राजकुमार



है.कां. जयवीर सिंह



है.कां. उदयभान सिंह



है.कां. अजय कुमार



है.कां. एमए खान



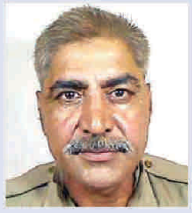
है.कां. श्यामवीर सिंह



है.कां. संजय कुमार



है.कां. राजेश कुमार



है.कां. जगदीश



है.कां. कन्हैया लाल



है.कां. राजीव कुमार



है.कां. अमर सिंह



कां. संजीव



कां. अब्दुल अहद खान



कां. मोहन सिंह बिष्ट



कां. उमरदीन



कां. मुकेश



कां. विपिन कुमार



कां. सचिन कौशिक



कां. महेश सुदम बंसोद



कां. शहजाद खान



कां. कुशलपाल सिंह



कां. शहजाद



कां. सिकंदर खान



कां. शहजाद खान



कां. साजिद अली



कां. जिया उल हक

कर्तव्य की वेदी पर प्राणों की आहुति देने वाले कां0 आनन्द सिंह को पुलिस सम्मान के साथ अंतिम विदाई।



दिवंगत कांस्टेबल आनंद सिंह

बाहरी जिला के थाना शाहबाद डेयरी में तैनात **कां0 आनन्द सिंह** (49 वर्ष) ने 19 अगस्त, 2016 की रात कर्तव्यनिष्ठा का सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपने प्राणों की आहूति दे दी। घटना वाले दिन औद्योगिक क्षेत्र बवाना स्थित सैक्टर–5 में तीन शस्त्रधारी बदमाशों ने समोसा चौक पर रेहड़ी लगाने वाली एक महिला से उसका मोबाइल फोन, नकदी और अन्य सामान लूट कर भाग रहे थे और महिला मदद के लिए चिल्ला रही थी। उसी दौरान कां0 आनन्द सिंह भी अपनी मोटरसाइकिल से वहां से गुजर रहा था। एक जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ सिपाही आनंद सिंह ने अपने दायित्व को ध्यान में रखते हुए महिला की मदद करने के उद्देश्य से बदमाशों का पीछा किया और अकेले ही उनसे भिड़ गया। लूटपाट कर भाग रहे बदमाशों का पीछा करते हुए कां0 आनंद सिंह ने दो बदमाशों को दबोच लिया। इसी बीच तीसरे बदमाश ने वापिस लौट कर कां0 आनंद सिंह पर हेलमेट से हमला कर अपने साथियों को छुड़ाने का हरसंभव प्रयास किया। परन्तु कां0 आनंद सिंह ने दोनों बदमाशों को मजबूती के साथ दबोचे रखा। इन्हीं बदमाशों के तीसरे साथी ने आशा के विपरीत कां0 आनंद सिंह को निकट से गोली मार दी। घायल होने के बावजूद कां0 आनंद सिंह ने बदमाशों को अपनी मजबूत गिरफ्त में जकड़े रखा, परन्तु ज्यादा खून बहने की वजह से कां0 निढ़ाल होकर गिर पड़ा और बदमाश मौके से फरार हो गये। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। घायल कां0 आनंद सिंह को निकट के महर्षि वाल्मीकि अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। 20 अगस्त, 2016 को किंग्जवे कैम्प स्थित नई पुलिस लाइन मैदान में दिवंगत कां0 के पार्थिव शरीर को लाया गया। वहां गमगीन माहौल में **श्री आलोक कुमार वर्मा, पुलिस आयुक्त, श्री अमूल्य पटनायक विशेष पुलिस आयुक्त, श्री किशन कुमार, विशेष पुलिस आयुक्त, श्री एस.बी.के. सिंह, विशेष पुलिस आयुक्त श्री अजय कश्यप, विशेष पुलिस आयुक्त, श्री ताज हसन विशेष पुलिस आयुक्त, श्री एस.वासूदेव राव, संयुक्त, विशेष पुलिस आयुक्त, श्री संजय सिंह, पुलिस आयुक्त (उत्तरी परिक्षेत्र) ,श्री विजय सिंह, उपायुक्त पुलिस** (उत्तर–पश्चिमी जिला), वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों तथा जवानों ने इस जांबाज सिपाही को श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात दिवंगत कां0 आनंद सिंह के पार्थिव शरीर को फूलों से सजी गाड़ी में रख कर उनके गांव जाटी कलां ले जाया गया जहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। गांव के उस गमगीन माहौल में भारी संख्या में पुलिसकर्मी एवं ग्रामीणवासी मौजूद थे।



दिवंगत कां. आनंद सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पुलिस आयुक्त

29 जुलाई, 1967 को गांव जाटी कलां, थाना राई, जिला सोनीपत हरियाणा में जन्में कां0 आनंद सिंह वर्ष 1988 में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुए। दिवंगत कां0 आनंद सिंह के शोक संतप्त परिवार में उनकी माताजी, पत्नी, पुत्री प्रियंका एवं एक पुत्र अमित शामिल हैं। दिल्ली पुलिस प्रशासन की तरफ से शोक संतप्त परिवार को आश्वासन दिया गया है कि अनुकम्पा पर भर्ती के अलावा हर संभव कानून सम्मत मदद की जाएगी।



दिवंगत कां. आनंद सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उसके परिजन एवं दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी

टोडापुर स्थित ट्रैफिक पुलिस लाईन में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित



13 जुलाई, 2016 को टोडापुर स्थित यातायात पुलिस (मुख्यालय) में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है। इस जांच शिविर में यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मियों की शुगर, बीपी, थायराइड़ व आंखों से संबंधित बीमारियों की जांच की गई। प्रशिक्षण हॉल में आयोजित इस जांच शिविर में विभिन्न अस्पतालों के अनुभवी डाक्टरों ने यातायात पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मियों के स्वास्थ्य की जांच में अपनी सेवायें दी।



इसके अलावा दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति एवं एम. आई.डब्लू. नामक गैर सरकारी संगठन ने मिलकर 28 जुलाई, 2016 को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इस मौके पर Truth of Universe Society & Trust नामक संस्था से जुड़े डाक्टरों ने भी अपने सेवाएँ दी। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों एवं जवानों की आंखों की निःशुल्क जांच की गई और उन्हें आंखों से संबंधित बिमारियों की रोकथाम के लिए परामर्श भी दिया।





विशेष शाखा की अनूठी पहल

विशेष शाखा की कल्याणकारी गतिविधियाँ एवं बैठक के दौरान सेवानिवृत्त/दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों की समस्याओं को भी सुना।



स्वच्छता प्रतियोगिता के विजेता को पुरस्कृत करते हुए विशेष पुलिस आयुक्त श्री बालाजी श्रीवास्तव



सेवानिवृत्त एवं दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों की समस्याएँ सुनते हुए उपायुक्त पुलिस श्री रजनीश गुप्ता



एमटीएस स्टाफ को प्रोत्साहित करते हुए उपायुक्त पुलिस

विशेष **पुलिस आयुक्त (गुप्तचर) श्री बालाजी श्रीवास्तव** के मार्गदर्शन में एवं **उपायुक्त पुलिस (विशेष शाखा) श्री रजनीश गुप्ता** के नेतृत्व में आसफ अली रोड़ स्थित पुलिस भवन में कई कल्याणकारी गतिविधियाँ संचालित की गई। विशेष शाखा ने एक विशेष पहल करते हुए 01.01.2011 के बाद से शाखा से सेवानिवृत्त हुए पुलिसकर्मियों के साथ–साथ दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों के साथ एक बैठक आयोजित कर उनकी समस्याएँ सुनी और उनका कुशलक्षेम भी जाना। दिल्ली पुलिस में शायद यह पहला ऐसा प्रयास है जहां किसी शाखा ने अपनी सेवानिवृत्त और दिवंगतों के आश्रितों के बारे में जानकारी हासिल की। इस मौके पर 13 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों ने उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से अपनी पेंशन, अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति, सरकारी आवास और चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी हासिल की। वरिष्ठ अधिकारियों ने सेवानिवृत्त और दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिजनों की शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुना और उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को उचित दिशा–निर्देश दिये। बैठक में उपस्थित सभी सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों और दिवंगत के परिजनों को आग्रह किया गया कि वे विशेष शाखा के अधिकारियों के सम्पर्क में रहे और अपनी समस्याओं से अवगत कराते रहे। विशेष शाखा ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत 22 जून से 26 जून, 2016 के बीच सभी जोन/प्रकोष्ठ/शाखा आदि में विशेष सफाई अभियान चलाया और इसके लिए एक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। उपायुक्त पुलिस विशेष शाखा के नेतृत्व में एक एसीपी और एक इंस्पेक्टर का बोर्ड बनाया गया। इस बोर्ड ने सभी शाखाओं का निरीक्षण करते हुए उन्हें विभिन्न श्रेणियों में विभाजित करते हुए पुरस्कार की घोषणा की। दक्षिण–पूर्वी जोन को 10,000 रुपये, पूर्वी जोन को 7500 रुपये, पश्चिमी जोन को 5,000 रुपये, मुस्लिम प्रकोष्ठ को 10,000 रुपये, प्रेस शाखा को 7500 रुपये तथा सामान्य शाखा को 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार स्वीकृत किया। इस मौके पर साफ–सफाई और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में अहम भूमिका निभाने वाले एमटीएस स्टाफ को विशेष तौर पर सम्मानित किया गया। उपायुक्त पुलिस विशेष शाखा ने प्रत्येक एमटीएस स्टाफ को एक गुलाब का फूल और 1,000 रुपये का नकद का पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। विशेष पुलिस आयुक्त श्री बालाजी श्रीवास्तव ने समस्त एमटीएस/स्वीपर स्टाफ को विशेष तौर पर "धन्यवाद तुम्हारा" कहा। पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने विशेष शाखा के प्रयासों की सराहना करते हुए यह इच्छा प्रकट की कि अन्य सभी जिला/इकाईयों को भी ऐसे प्रयास करने चाहिए। पुलिस आयुक्त महोदय नें यह भी कहा कि एमटीएस और स्वीपर स्टाफ के योगदान की प्रशंसा करते हुए नकद पुरस्कार देने के साथ–साथ उन्हें प्रोत्साहित भी करें।

पुलिस की मदद से छात्राओं में जागृत हुआ आत्मविश्वास–छात्राओं ने कहा–अब नहीं डरेंगी– करेंगी डटकर मुकाबला

दक्षिण–पश्चिमी जिला पुलिस ने अपने परिक्षेत्र के विभिन्न स्कूलों की 614 छात्राओं को 19 दिन का निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण देकर महिलाओं के प्रति अपनी सुरक्षा की प्रतिबद्धता को दोहराया है। 11 से 29 जुलाई के बीच कापसहेड़ा के स्कूल में छात्राओं को निरंतर आत्मरक्षा के तरीके सिखाए गए। 29 जुलाई, 2016 को इस कार्यक्रम के समापन समारोह में उपायुक्त पुलिस श्री सुरेन्द्र कुमार, एसीपी श्री एस.के.मीणा, थानाध्यक्ष कापसहेड़ा राजेश मलिक की उपस्थिति में छात्राओं ने सेल्फ डिफेंस की तकनीक का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं का यह कहना कि अब नहीं डरेंगी और करेंगी डटकर मुकाबला उनके आत्मविश्वास को दर्शा रहा था। छात्राओं को प्रशिक्षण देने में महिला कां0 रेखा ने अहम भूमिका निभाई।



कार्यक्रम में सीखे हुनरों का प्रदर्शन करती छात्राएं



प्रशसित पत्र प्राप्त करने वाली छात्राएं



जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कार्यक्रम में भाग लेने वाली छात्राएं

मालवीय नगर वेलफेयर सेंटर में जूट बैग बनाने का प्रशिक्षण शुरू



जूट बैग कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा

दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा पुलिस कॉलोनी मालवीय नगर में राष्ट्रीय जूट बोर्ड के सहयोग से जूट बैग बनाने का प्रशिक्षण देने की कार्यशाला शुरू की गई है। 29 अगस्त से 18 सितम्बर, 2016 तक 21 दिन तक चलने वाली इस कार्यशाला में पुलिस परिवारों से जुड़ी महिलाओं को जूट बैग बनाना सिखाया जाएगा। 29 अगस्त को समिति की **अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा** ने इस कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस मौके पर समिति की पदाधिकारी **श्रीमती गीता पाठक, श्रीमती मनीषा भाटिया,** जूट बोर्ड के अधिकारी एवं पुलिस कॉलोनी में रहने वाले परिजन उपस्थित थे। ऐसे प्रशिक्षणों से न केवल पुलिस परिवारों को आर्थिक मदद मिलेगी बल्कि उनके समय का भी सद्पयोग होता है।



मालवीय नगर वेलफेयर सेंटर की संचालिका श्रीमती गीता पाठक जूट बैग बनाना सीखने वाली महिलाओं के साथ।



समिति की वरिष्ठ सदस्यों के साथ अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा।



समिति की पदाधिकारी एवं जूट बैग बोर्ड के अधिकारीगण।

पूर्वी जिला में ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन समारोह सम्पन्न।

30 जुलाई, 2016 को पूर्वी जिला के विवेक विहार स्थित विवेकानंद स्कूल में **दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति** द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन समारोह सम्पन्न हुआ। 16 जुलाई से 30 जुलाई के बीच आयोजित इस ग्रीष्मकालीन शिविर में समापन समारोह में दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की अध्यक्षा **श्रीमती शेफाली वर्मा** के साथ अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। पन्द्रह दिन चले इस शिविर में पुलिस परिवारों से जुड़ी महिलाओं/छात्राओं/छात्रों को विभिन्न गतिविधियों में शामिल किया गया। जिसमें योग, नृत्य, संगीत, सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, चित्रकला व कम्प्यूटर प्रशिक्षण के साथ–साथ हस्तनिर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन भी किया गया। पुलिस परिवार से जुड़े बच्चों ने शिविर में सीखे हुनरों का अपनी प्रतिभानुसार शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान ही श्रीमती शेफाली वर्मा ने आस–पास रहने वाले पुलिस परिवारों की समस्याओं को इत्मीनान से सुना और उनकी समस्या के निदान के लिए संबंधित अधिकारियों को उचित दिशा–निर्देश दिये। समिति की अध्यक्षा के साथ–साथ समिति की अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बच्चों और महिलाओं को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित भी किया।









श्रीमती शेफाली वर्मा द्वारा मॉडल टाउन पुलिस कॉलोनी में सामुदायिक भवन एवं स्टडी सेंटर का उद्घाटन



श्रीमती शेफाली वर्मा का स्वागत करते हुए समिति की पदाधिकारी



दीप प्रज्जवलित करती हुई श्रीमती शेफाली वर्मा

दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा ने 9 अगस्त, 2016 को मॉडल टाउन स्थित पुलिस कॉलोनी में सामुदायिक भवन एवं स्टडी सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.वासुदेवा राव, उपायुक्त पुलिस श्री शरद सिन्हा के अलावा समिति की वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित थीं। वर्षों पूर्व निर्मित हुए इस सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार कराने के बाद भवन को पुन: पुलिस परिवारों के प्रयोग में लाया गया है। इस भवन से समिति द्वारा विभिन्न कल्याणार्थ गतिविधियों को संचालित किया जाएगा। इस मौके पर सिलाई सेंटर और स्टडी सेंटर का भी उद्घाटन किया गया। समिति द्वारा प्रकाशित पत्रिका ''कोशिश-एक आशा'' का भी विमोचन किया गया।



कार्यक्रम के उपरान्त परिजनों एवं कर्मियों को सम्बोधित करते हुए श्रीमती शेफाली वर्मा



समिति द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'कोशिश-एक आशा' का विमोचन करते हुए

पीतमपुरा पुलिस कॉलोनी में रहने वाले परिवारों के लिए मसाले पीसने वाली और सिलाई मशीनों का उद्घाटन।

9 अगस्त, 2016 को बाहरी जिला स्थित पीतमपुरा पुलिस कॉलोनी मे **दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा** ने मसाले पीसने वाली मशीन और सिलाई मशीनों का उद्घाटन किया। इस मौके पर समिति से जुड़ी अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी **डॉ0 सुशी सिंह, श्रीमती गीता पाठक,** के अलावा पुलिस कॉलोनी की महिलाएँ भी मौजूद थी। इंडस्ट्रीयल कॉम्पलैक्स वेलफेयर एसोसिएशन, डीएसआईआईडीसी नरेला ने सिलाई मशीने दानस्वरूप समिति को भेंट की। एसोसिएशन के पदाधिकारी **श्री बसंत सोमानी, श्री आशीष गर्ग, श्री भगवत दयाल** तथा **सुभाष गोयल** भी उपस्थित मौके पर उपस्थित थे।





आई.ए.एस. परीक्षा में चयनित डॉ0 इन्दु जाखड़ से बातचीत के अंश



डॉ. इंदु जाखड़ पुलिस मुख्यालय में आयुक्त आयुक्त व अपने अभिभावकों के साथ

प्रश्नः सफलता का समाचार पाकर आपकी क्या प्रतिकिया रही ? क्या आप अपनी सफलता के प्रति आशावान थीं?

उत्तरः सफलता का समाचार देखते ही मुझे अत्याधिक हर्ष हुआ तथा सबसे पहले मैने अपने पिताजी को बताया। सफलता को लेकर मैं आशावान थी पर इतनी अच्छी रेंक पाकर यकीनन लगा जैसे मेरी मेहनत रंग लाई। जो सपना लेकर मैं 2 साल से निरंतर प्रयास कर रही थी वह सच हो गया । इससे अधिक उल्लास मेरे लिए और क्या हो सकता था।

प्रश्नः आप जब मेडिकल फील्ड से जुड़ी थी और एक बड़े अस्पताल में उच्च पद पर पदासीन थीं तो सिविल सर्विस सेवा की ओर जाने का इरादा अचानक हुआ या पहले से ही इसके लिए आपने मन बना रखा था ?

उत्तरः एमबीबीएस करने के दौरान मेरा झुकाव सिविल सर्विस की तरफ नहीं था बल्कि मैं तो अपनी पी.जी. की तैयारी कर रही थी। 2013 की परीक्षा में भी उत्तीर्ण हो गई थी परंतु इंटर्नशिप के दौरान अस्पताल में काम करते समय मुझे अपनी लिमिटेशन का अहसास हुआ और कुछ चुनिंदा वरिष्ठों की मदद से सिविल सर्विस की जानकारी मिली। 2014 में मैंने अपनी तैयारी शुरू की और साथ में यूपीएससी कंबाइड मेडिकल सर्विस भी दिया। जिसमें उत्तीर्ण होने पर मुझे आर.एम.एल अस्पताल में पोस्टिंग मिली। पर मेरा वास्तिवक उद्देश्य तब आई.ए.एस बनने का बन चुका था। जिसे मैने इस वर्ष हासिल किया।

प्रश्नः सिविल सेवा सर्विस परीक्षा में आपका यह कौन–सा प्रयास था?

उत्तरः सिविल सेवा में यह मेरा दूसरा प्रयास था।

प्रश्नः इस परीक्षा की तैयारी के लिए आपको प्रेरणा कहॉ से मिली?

उत्तरः सिविल सेवा परीक्षा की प्रेरणा मुझे अपने पिताजी श्री वेदप्रकाश जाखड़ जी से मिली जो मुझे शुरू से ही प्रोत्साहित करते थे। परंतु मेरा दृढ़ निश्चय इंटरनशिप के दौरान सामान्य लोगों की समस्याओं को देखकर ही हो पाया। मैने महसूस किया कि आई.ए.एस बनकर मैं अपनी सर्विस का लोक कल्याण में ज्यादा सदुपयोग कर सकूंगी।

प्रश्नः आपकी सफलता में आपके परिजनों, मित्रों व गुरूजनों की क्या भूमिका रही ?

उत्तरः मैं बहुत खुश किस्मत हूँ कि मुझे इतने अच्छे व सर्पोटिव परिजन, मित्र व गुरूजन मिले। मेरे परिजनों ने मेरे हर निर्णय में मेरा सहयोग किया तथा हौसला बढ़ाया तथा शिक्षकों एवं मित्रों ने सकारात्मक वातावरण दिया और मुझे मेरे लक्ष्य की तरफ अग्रसर रखा। मेरी कामयाबी में सभी की अहम भूमिका रही। विशेषकर मेरे माता–पिता की जिन्होंने मेरे लक्ष्य को अपना लक्ष्य बनाकर निरंतर मेरे साथ मेहनत की।

प्रश्नः आप अपनी सफलता को किस नजरिये से देखती हैं ?

उत्तरः इस सफलता ने मेरे जीवन को एक नई दिशा दी है। प्रशासनिक सेवा का हिस्सा बनकर मैं आगे चलकर समाज की सेवा करना चाहती हूँ जिसे मैं अपनी इस सफलता के बाद निर्बाद्य रूप से कर सकूंगी।

प्रश्नः सिविल सेवा सर्विस में सफलता के लिए आपने किन मजबूत बिन्दुओं पर ध्यान केन्द्रित किया?

उत्तरः मेरे मजबूत बिंदुओं में धैर्यवान व्यक्तित्व, कोर्स व पेपर को लेकर स्पष्टता, कठिन परिश्रम की आदत और निरंतर अभ्यास करना है। अपनी क्षमता और कमियों का सही आंकलन करते हुए तैयारी को नई दिशा प्रदान करना है।

प्रश्नः दिल्ली पुलिस परिवार से जुड़े सिविल सेवा सर्विस की विभिन्न सेवाओं के प्रतियोगियों के लिए आप क्या सलाह / संदेश देना चाहेंगी?

उत्तरः मैं इस पत्रिका के माध्यम से सबको कहना चाहूंगी कि इस पेपर से डरने की आवश्यकता नहीं है। निरंतर परिश्रम व अभ्यास से कामयाबी हासिल की जा सकती है। अगर आप गंभीर रूप से पढ़ाई करें। यह सेवा अन्य सभी Careers से अलग है क्योंकि यह हमें एक नए स्तर पर लोकसेवा का मौका प्रदान करती है। यदि मन में इच्छा है तो परीक्षा अवश्य दें, सफलता जरूर मिलेगी।

प्रश्नः पुलिस परिवार की पृष्ठभूमि से जुड़ी होने के कारण आपकी पुलिस के प्रति क्या धारणा है? पिताजी के पुलिस में होने के कारण भी क्या आपकी तैयारी प्रभावित हुई थी?

उत्तरः पुलिस परिवार की पृष्ठभूमि ने मुझे बचपन से ही लोकसेवा के प्रति जागरूक किया तथा मेरे सामाजिक शुभारंभ में इसका महत्वपूर्ण रोल रहा है। पिताजी हालांकि नौकरी के चलते कम समय दे पाते थे पर उनके परिश्रम को देखकर हमेशा मन में कुछ बड़ा करने की चाह रहती थी। इस सर्विस के लिए परीक्षा देने के लिए उन्होंने मेरा बहुत हौसला बढ़ाया, जो मेरे जीवन में सदैव सराहनीय रहेगा। मेरी माता श्रीमती विद्या देवी का मेरे प्रति स्नेह, प्रोत्साहन, व मार्गदर्शन सदैव विस्मरणीय रहेगा।

प्रश्नः प्रतियोगिता के लिए आपने किन–किन मैगजीनों / समाचार –पत्रों का चयन किया?

उत्तरः परीक्षा के लिए मैं 'द हिन्दू' तथा 'इंडियन एक्सप्रेस समाचार' रोज पढ़ती थी और साथ ही सरकारी योजना व कुरूक्षेत्र मैगजिन भी पढ़ती थी।

प्रश्नः प्रतिदिन आप कितने घंटे अध्ययन करती थीं और आपकी हॉबी क्या हैं?

उत्तरः मैं परीक्षा के समय 12 से 14 घंटे और बाकी दिनों में लगभग 8 से 10 घंटे तक पढ़ाई करती थी।

प्रश्नः आप अपनी सफलता का श्रेय अपने कठिन परिश्रम को देती हैं या भाग्य को?

उत्तरः सफलता के अनेक अवधारणाएं हैं। हालांकि बिना परिश्रम के सफल होना मुमकिन नहीं। परन्तु भाग्य भी इसमें महत्वपूर्ण है। सभी कारक सही होने पर ही सफलता हासिल हो पाती है।

प्रश्नः पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त से शिष्टाचार भेंट कर, आपने कैसा महसूस किया?

उत्तरः मुझे पुलिस मुख्यालय आकर अत्यंत हर्ष हुआ। जब स्वयं पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने मेरी सफलता के लिए मुझे व मेरे परिवार को बधाई दी। पुलिस परिवार का हिस्सा होने पर मैं अत्याधिक गौरवान्वित महसूस करती हूँ। आशा करती हूँ कि भविष्य में भी पुलिस परिवार का नाम रोशन करूं।

इंडियन इकॉनोमिक सर्विस में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सुश्री नितिशा मान से बातचीत के कुछ अंश



सुश्री नितिशा मान पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त एवं अभिभावकों के साथ

24 अगस्त, 2016 को सेवानिवृत्त एसीपी श्री पी.सी. मान एवं हैड. कां. वेदप्रकाश जाखड़ ने अपनी सुपुत्रियों सुश्री नितिशा मान व डॉ. इंदु जाखड़ के साथ पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा से शिष्टाचार भेंट की। पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने सुश्री नितिशा मान व डॉ. इंदु जाखड़ को मुबारकबाद देते हुए उनके सफल कैरियर के लिये शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर उपस्थित दिल्ली पुलिस समाचार पत्रिका के सम्पादक श्री राजीव रंजन ने दिल्ली पुलिस परिवार से जुड़ी इन दोनों प्रतिभाशाली और होनहार लड़कियों से बातचीत कर उनकी सफलता के बारे में विस्तृत जानकारी ली। डॉ. इंदु जाखड़ व सुश्री नितिशा मान से हुई बातचीत के मुख्य अंश। - उप सम्पादक एसआई सतबीर सिंह

प्रश्नः सफलता का समाचार पाकर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही?क्या आप अपनी सफलता के प्रति आशावान थीं?

उत्तरः परिणाम मैंने स्वयं नहीं देखा था, मेरी सहेली ने मुझे बताया। जब उसने कहा कि मैंने परीक्षा पास कर ली तो मैंने उससे दो बार पूछा कि कहीं वो मेरे साथ मज़ाक तो नहीं कर रही। फिर मैंने खुद देखा और मुझे विश्वास नहीं हुआ कि मैंने परीक्षा में टॉप किया। मेरी लिखित परीक्षा अच्छी हुई थी परंतु इंटरव्यू बहुत अच्छा न हो पाने के कारण मेरी सकारात्मकता कम हो गई थी। लिखित परीक्षा में मेरे अंक बहुत ज्यादा थे, अन्य सभी प्रतियोगिताओं से न्यूनतम 40–50 ज्यादा अंक मिलने के कारण मेरा स्थान अव्वल रहा।

प्रश्नः आई.ई.एस. में सफलता के लिए आपने किस मज़बत बिन्दुओं पर ध्यान केन्द्रित किया?

उत्तरः इकोनॉमिक्स बहुत प्रगतिशील विषय है। इसमें केवल रटा–रटाया ज्ञान काम नहीं आता, किताबों में जो पढ़ा उस पर आधारित बहुत से क्षेत्रों में रोज़ नई–नई नीतियाँ व योजनाऐं बनती हैं। उससे अवगत रहना अत्यंत आवश्यक है। इको. में मैथ्स और स्टेटिस्टिक्स का भी एक बड़ा अंश है। इसलिए निरंतर अभ्यास व प्रश्नों को हल करना जरूरी है। समय से तैयारी करनी चाहिए जिससे कि आप संशोधन को अधिक समय दे सकें।

प्रश्नः इस परीक्षा के लिए आपके प्रेरणा कहाँ से मिली?

उत्तरः इकोनॉमिक्स (अर्थशास्त्र) पिछले आठ वर्षों से मेरा विषय रहा है। मैंने बी.ए., एम.ए. व एम.फिल इसी में किया है और मुझे यह बहुत पसंद है। इसी कारण मैंने यह तय किया था कि मैं भविष्य में अपना Career लोक सेवा में करना चाहूँगी। इसलिए अपने देश की अर्थव्यवस्था में योगदान कर पाने से बेहतर जीविका शायद मैं नहीं सोच सकती। यही मेरी प्रेरणा थी।

प्रश्नः आपकी सफलता में आपके परिजनों, मित्रों व गुरुजनों की क्या भूमिका रही ?

उत्तरः मेरा मानना है कि किसी की भी सफलता के पीछे उनके खुद के परिश्रम के अलावा अन्य लोगों का भी योगदान होता है। परिजनों का सहयोग, गुरुजनों की सीख और मित्रों की शुभकामनाएं मेरे लिए बहुत आवश्यक हैं। बचपन से ही मैं हर परीक्षा और प्रतियोगिता से पहले सबकी शुभकामनाएं अवश्य लेती थी। मेरा परिवार मुझे हर तरह का सहारा और प्रोत्साहन देता रहा है। मुझे कभी किसी चीज की कमी नहीं होने दी और न ही मुझ पर किसी तरह का दबाव डाला। मुझे अपने निर्णय स्वयं लेने की पूरी स्वतंत्रता दी गई।

प्रश्नः आप अपनी सफलता को किस नजरिये से देखती हैं।

उत्तरः मैं अपनी इस सफलता को अपने परिश्रम का परिणाम, अभिभावकों का आर्शीवाद और अध्यापकों के दिये ज्ञान का प्रतिफल मानती हूँ। मैं आसानी से किसी चीज से संतुष्ट नहीं होती इसलिए इस परीक्षा में अव्वल आने को मैं अपनी यात्रा का अंत नहीं समझती, वास्तव में मुझे प्रेरणा मिली है कि आगे अपनी नौकरी के कार्यकाल में मैं अच्छे से अच्छा प्रदर्शन कर सकूँ।

प्रश्नः पुलिस परिवार की पृष्ठभूमि से जुड़े होने के कारण आपकी पुलिस के प्रति क्या धारणा है? पिताजी के पुलिस में होने के कारण क्या आपकी तैयारी प्रभावित हुई थी?

उत्तरः बचपन से ही दिल्ली पुलिस परिवार में बड़े होने के कारण मैंने नज़दीकी से पुलिसकर्मियों का निरीक्षण किया है। 'शांति, सेवा और न्याय' के सिद्धांत का पालन करती पुलिस फोर्स मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत रही है। अत्यंत कठिनाई झेल कर, परिश्रम करना और सदैव तत्पर रहना, दिल्ली पुलिस से अधिक हमें कोई और नहीं सिखा सकता। 'सर्दी, गर्मी या बरसात, दिन या रात, हर हालात में ड्यूटी देना, लगातार कई दिनों तक घर ना आ पाना, सभी पर्व या त्यौहारों पर भी कार्यरत रहना, ये ऐसे अनुभव हैं जो सभी पुलिसकर्मियों ने किए हैं। अपने अभिभावकों को इतनी मेहनत करते देख सभी बच्चे प्रभावशील होते हैं और मैं भी उनमें से एक थी। मैंने तैयारी के साथ–साथ बतौर लेक्चरर (Lecturer) पढ़ाया भी और पी.एच.डी. की पढ़ाई भी की। ये सब एक साथ करने की लगन और मेहनत की प्रेरणा मुझे अपने पिताजी से ही मिली।

प्रश्नः पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त से शिष्टाचार भेंट कर आपने कैसा महसूस किया?

उत्तरः पुलिस आयुक्त इतने बड़े ओहदे पर होने के बावजूद उनका व्यक्तित्व बहुत ही विनम्र हैं। उन्होंने मुझे बधाई देने के बाद मेरे विषय के बारे में पूछा व मेरे शोध–निबंध में रूचि दिखाई। अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकाल कर मुझे मिले इसके लिए मैं उनकी कृतज्ञ हूँ।

प्रश्नः प्रतियोगिता के लिए आपने किस मैगज़ीन/समाचार पत्र का चयन किया?

उत्तरः रोज़ दो समाचार पत्र 'द हिंदु' व 'द टाइम्स ऑफ इंडिया' मैं अवश्य पढ़ती थी। इसके अलावा मासिक मैगज़ीन 'द क्रॉनिकल' और वार्षिक पब्लिकेशन 'इकोनॉमिक सर्वे' और 'इंडिया ईयरबुक' भी मैंने पढ़ी।

प्रश्नः प्रतिदिन आप कितने घंटे अध्ययन करती थीं और आपकी हॉबी क्या–क्या है?

उत्तरः क्योंकि मैंने तैयारी समय से शुरू कर दी थी व मैं साथ–साथ और चीजें भी कर रही थी। इसलिए शुरू में 5–6 घंटे ही पढ़ पाती थी परंतु परीक्षाऐं निकट आते–आते मैं 10–12 घंटे पढ़ती थी।

मुझे नॉवल पढ़ने का बहुत शौक है व अपने भांजे और भतीजी के साथ समय बिताना मुझे बहुत भाता है। तैयारी के साथ मैं इन चीजों के लिए समय अवश्य निकाल लेती थी।

प्रश्नः आप अपनी सफलता का श्रेय अपने कठिन परिश्रम को देती हैं या भाग्य को?

उत्तरः मैं इसका श्रेय अपनी मेहनत, दृढ़ संकल्प व बड़ों के आर्शीवाद और उनकी शुभकामनाओं को देती हूँ। मेरी सकारात्मकता मेरे गुरु बृहस्पति देव के कारण है जिनकी मैं आराधना करती हूँ।

रोहिणी सैक्टर 11 में बहुमंजिला हाउसिंग कॉम्पलैक्स का उद्घाटन



बहुमंजिला हाउसिंग कॉम्पलैक्स का उद्घाटन करते हुए पुलिस आयुक्त



बहुमंजिला हाउसिंग कॉम्पलैक्स के उद्घाटन के मौके पर पुलिस आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी

22 अगस्त, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने बाहरी जिला स्थित सैक्टर–11 रोहिणी में दिल्ली पुलिस हाउसिंग कॉम्पलैक्स का उद्घाटन किया। विभिन्न आधुनिक सुख–सुविधाओं से सुसज्जित इस बहुमंजिला कॉम्पलैक्स के उद्घाटन के समय **श्री अमूल्य पटनायक, विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन), श्री एस.बी.के.सिंह, विशेष पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था उत्तरी), श्री पी.कामराज, विशेष पुलिस आयुक्त (कानून–व्यवस्था दक्षिण), श्री संजय सिंह, विशेष पुलिस आयुक्त (गुप्तचर) संयुक्त पुलिस आयुक्त (उत्तरी परिक्षेत्र), श्री ए.के.सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त (योजना एवं क्रियान्वयन), श्री विक्रम सिंह उपायुक्त पुलिस बाहरी जिला** के अलावा भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। इस मौके पर इस हाउसिंग कॉम्पलैक्स को निर्मित करने वाले वरिष्ठ अभियंताओं को पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने सम्मानित भी किया।



मैत्री क्लब की संस्थापक श्रीमती शेफाली वर्मा की देखरेख में तीज़ पर्व पर सांस्कृतिक एवं संगीतमय शाम का आयोजन

भारतीय संस्कृति में वर्षभर विभिन्न धर्मो, समुदायों व वर्गो के त्यौहारों की धूम मची रहती है। विभिन्न धार्मिक व सामाजिक मान्यताओं तथा लोक कथाओं पर आधारित इन त्यौहारों के कारण ही जीवन में उमंग और उत्साह का निरंतर संचार होता रहता है। सावन माह में तीज़ का त्यौहार भी अपनी कुछ विशेषताओं के कारण महिलाओं/लड़कियों में काफी लोकप्रियता रखता है। इसे महिलाओं की मौज–मस्ती का त्यौहार भी कहा जा सकता है। इसी दिन महिलाओं के लिए मेंहदी, चूडियाँ, साज–श्रृंगार के सामान के साथ–साथ झूला–झूलने की भी खास व्यवस्था की जाती है जिसमें महिलाएँ पूरे हर्षोल्लास और उत्साह के साथ गीत गाती है और मान्यताओं के अनुरूप अपनी–अपनी प्रतिभानुसार मनमोहक प्रदर्शन भी करती है। 29 जुलाई, 2016 को 17, मदर टैरेसा क्रिसटन रोड स्थित राजपत्रित अधिकारी मैस में यूटी कैडर सीनियर ऑफिसर्स वाइव्ज क्लब द्वारा तीज़ उत्सव का आयोजन किया गया। मैत्री क्लब की संस्थापक **श्रीमती शेफाली वर्मा** के नेतृत्व में आयोजित इस सांस्कृतिक एवं संगीतमय शाम में अधिकांश वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की धर्मपत्नियों ने भाग लिया। इस मौके पर विशेष तौर पर सेवानिवृत्त वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की धर्मपत्नियों को भी आमंत्रित किया गया था।





16 जुलाई, 2016 को विभिन्न राज्यों को प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों ने पुलिस मुख्यालय में श्री आलोक कुमार वर्मा, पुलिस आयुक्त, दिल्ली से शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर पुलिस आयुक्त ने प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों को पुलिस सेवा से जुड़े महत्वपूर्ण अनुभवों पर बातचीत करते हुए उनके सफल कैरियर के लिए शुभकामनाएँ दी।



27 जुलाई, 2016 को एक बंगलादेशी पुलिस प्रतिनिधि मंडल ने **श्री आलोक कुमार वर्मा पुलिस आयुक्त दिल्ली** से पुलिस मुख्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर पुलिस आयुक्त एवं बंगलादेश के पुलिस महानिरीक्षक के बीच परस्पर पुलिस कार्यप्रणाली को लेकर विचार–विमर्श हुआ। दोनों वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पुलिस से जुड़ी समस्याओं, समाज में उनके सकारात्मक सहयोग और कार्यशैली में आधुनिक तकनीक के प्रयोग को लेकर बातचीत हुई। बंगलादेशी प्रतिनिधि मंडल के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पुलिस आयुक्त, दिल्ली को स्मृति चिन्ह् भेंट किया।

विश्व विद्यालय परिसर में छात्राओं से मुखातिब होते हुए पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा



20 जुलाई, 2016 को विश्वविद्यालय खुलने पर नए विद्यार्थियों ने अपने उज्ज्वल भविष्य की तरफ कदम उठाया तो पुलिस ने भी रैगिंग रोकने और बच्चों को सुरक्षात्मक माहौल देने के लिए समुचित प्रबंध किये। इन सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लेने के लिए **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने विश्वविद्यालय परिसर का औचक्क निरीक्षण किया। इस मौके पर श्री आलोक कुमार वर्मा छात्र/छात्राओं से भी मिले और बच्चों को कहा कि जीवन में छात्र जीवन बहुत ही महत्वपूर्ण और स्मरणीय होता है।



Paralysed 30 yrs ago, cop says he never felt 'physically challenged'

ALOK SINGH
NEW DELHI, JULY 5

SIXTY-YEAR-OLD Nathu Singh retired on June 30 from Delhi Police. His retirement came with an honour, as he served the force with pride and dedication despite getting paralysed in his right leg in an accident that took place 30 years ago, while he was on duty.

Singh says that in the many years of his service, he never felt like a physically challenged person. Posted at Tughlak Road police station as a record room operator, he has witnessed many cases under the jurisdiction of this police station, including the assassination of Indira Gandhi, attack on an Israel embassy diplomat, the death of Union minister Gopinath Munde, protests around 7RCR over the December 16 gangrape and AAP workers' daily struggle with the police and detention at the police station.

"I have seen a lot of things in my service but never felt I was helpless. With the help of these two crutches, I have done my duty without any hesitation but now I want to relax and want to spend the next course of my life with my grandson," said Nathu Singh, while sharing his thoughts on his retirement ceremony that was held at Tughlak Road Police station.

"I remember each and every case that happened during my stint. But what I remember most was the death of Union minister Gopinath Munde. The mediapersons remained stationed outside the police station and they kept asking us for updates," said Singh, adding that during the assassination of then Prime Minister Indira Gandhi, he was bedridden as he had met with an accident.

"I was on night patrol from Taj Hotel to Aurbindo Chowk when a car hit me and ran over my leg, fracturing it in multiple places. Two rods were inserted in it but it has never recovered to what it was like earlier. Doctors told me it won't bend. And from then, these crutches have been my best friends," said Singh.

Nathu Singh with colleagues at the Tughlaq Road police station. *Tashi Tobgyal*

POLICE DIARY

अच्छी तफ्तीश

एक लाख रुपये के ईनामी और दर्जनों आपराधिक वारदातों में शामिल बदमाश को गिरफ्तार करने में पूर्वी जिला पुलिस टीम शानदार सफलता



6 अगस्त की मध्य रात्रि पूर्वी जिला की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड टीम ने कुख्यात सत्या गैंग के ईनामी बदमाश अमित कुमार उर्फ सोनू (27) को गिरफ्तार करने में शानदार सफलता अर्जित की है। हत्या, हत्या के प्रयास, लूटपाट, झपटमारी और पुलिसकर्मियों पर हमले की दर्जनों वारदातों में शामिल नंद नगरी निवासी अमित कुमार नामक इस बदमाश की गिरफ्तारी पर पुलिस ने एक लाख रुपये का पुरस्कार घोषित किया हुआ था। उपायुक्त पुलिस पूर्वी जिला श्री ऋषिपाल ने संवाददाताओं को बताया कि एएटीएस के **एसीपी वाई.के.त्यागी** की टीम में **इंस्पेक्टर डीपी सिंह, एसआई राजेन्द्र सिंह, धीरज, संजीव तथा एएसआई राजेन्द्र व हैडकां0 सुखबीर सिंह** की टीम को सूचना मिली थी कि अमित नामक कुख्यात बदमाश पांडव नगर में मदर डेयरी के पास आएगा। पुलिस टीम ने पूरी तैयारी के साथ जब बदमाश को ललकारा तो अमित ने पुलिस की पकड़ से बचने के लिए पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया। इस बदमाश की दो गोलियाँ एसआई राजेन्द्र सिंह व हैडकां0 सुखबीर सिंह को लगी पर बुलेट प्रूफ जैकेट पहने होने के कारण दोनों पुलिसकर्मी सकुशल बच गये। पुलिस टीम ने बहादुरी और सूझबूझ से अपने कर्तव्य को अंजाम देते हुए बदमाश को काबू करने में कामयाबी मिली। वर्ष 2005 में अपने सहपाठी की हत्या के बाद अपराध जगत तरफ अग्रसर हुआ अमित उर्फ सोनू लगभग 52 आपराधिक मामलों में संलिप्त रहा है। 9 अगस्त 2016 को पुलिस टीम ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त से भेंट की। **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने टीम की कार्यशैली और पेशेवर कार्यकुशलता की प्रशंसा करते हुए शाबाशी दी। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त (कानून–व्यवस्था उत्तरी) श्री एस.बी.के.सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री सतीश गोलचा** एवं **उपायुक्त पुलिस पूर्वी जिला श्री ऋषिपाल** एवं टीम के सदस्य उपस्थित थे।

कुख्यात गिरोह सरगना जितेंद्र उर्फ गोगी को पुलिस हिरासत से फरार कराने वाला मुख्य षडयंत्रकर्ता अपराध शाखा के शिकंजे में



अपराध शाखा के उपायुक्त पुलिस श्री भीष्म सिंह के मार्गदर्शन में एसीपी जितेन्द्र सिंह, इंस्पेक्टर सत्यवान, एसआई अमित दहिया की टीम ने 30 जुलाई, 2016 को पुलिस हिरासत से एक कुख्यात बदमाश जितेन्द्र उर्फ गोगी को फरार कराने में अहम् भूमिका निभाने वाले राष्ट्रीय स्तर के मुक्केबाज दीपक पहलवान उर्फ बॉक्सर को गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता मिली है। **संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री रवीन्द्र यादव** ने 2 अगस्त, 2016 को संवाददाताओं को बताया कि घटना वाले दिन तीसरी वाहिनी के चार जवान दिल्ली व हरियाणा में कई संगीन आपराधिक वारदातों में संलिप्त बदमाश जितेन्द्र उर्फ गोगी को लेकर प्रातः जींद (हरियाणा) कोर्ट में पेशी के लिए ले जा रहे थे। इस बदमाश को पुलिस हिरासत से छुड़ाने की योजना बनाते हुए चार बदमाश पहले ही बस में सवार हो गये और कुछ बदमाश आई–20 और एसएक्स–4 कार में बस का पीछा करने लगे। हरियाणा रोडवेज की यह बस जब बहादुरगढ़ से निकल कर सांखौल गांव के निकट पहुंची तो बदमाशों ने ओवरटेक करके बस को रूकवा लिया। बदमाशों ने अचानक चार पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्ची का पाउडर डालकर इस जितेन्द्र उर्फ गोगी को पुलिस की गिरफ्त से मुक्त करा कर फरार हो गये। इसी बीच उपायुक्त पुलिस उतर–पश्चिमी जिला श्री विजय सिंह ने भी संवाददाताओं को बताया कि इस वारदात में शामिल एक अन्य अभियुक्त मोहित को गिरफ्तार करने में स्पेशल स्टाफ को शानदार कामयाबी प्राप्त हुई है। दोनों पुलिस टीमों के पुलिसकर्मियों की इस त्वरित और सूझबूझ कार्यवाही को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने सराहा है। 6 अगस्त, 2016 को पुलिस टीम ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त से भेंट की। **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने पुलिस टीम की पेशेवर निपुणता की प्रशंसा करते हुए उन्हें शाबाशी दी। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री ताज हसन, संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री रवीन्द्र यादव, उपायुक्त पुलिस डॉ0 राजीव शर्मा, एसीपी जितेन्द्र सिंह** के अलावा टीम के सदस्य उपस्थित थे।

अन्तर्राज्जीय वन्य जीव तस्कर गिरोह का पर्दाफाश करने वाली टीम को पुलिस आयुक्त ने शाबाशी दी



12 जुलाई, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने अपराध शाखा की पुलिस टीम द्वारा एक अन्तर्राज्जीय वन्य जीव तस्कर को गिरफ्तार करने पर शाबाशी दी। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रवीन्द्र यादव, उपायुक्त श्री भीष्म सिंह व एसीपी ईश्वर सिंह** के अलावा टीम के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। अपराध शाखा के **इंस्पेक्टर अतुल त्यागी, महिला एसआई कुसम दांगी, हैडकां0 हेमन्द्र, हैडकां0 संदीप, हैडकां0 विरेन्द्र, कां0 पंकज, कां0 सुरेन्द्र व कां0 राकेश** की टीम ने अन्तर्राज्यीय वन्य जीव जंतु तस्कर आकाश पुत्र स्व0 संसार सिंह को गिरफ्तार करने में अनुकरणीय सफलता अर्जित की है। अभियुक्त आकाश राजस्थान में दर्ज वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामले में वांछित था और राजस्थान की एक अदालत ने उसके खिलाफ गैर जमानती वांरट जारी किया हुआ था। थाना हाथीपोल, उदयपुर,राजस्थान पुलिस द्वारा आकाश की गिरफ्तारी के लिए मदद मांगने और एक पुख्ता सूचना के आधार पर जब पुलिस टीम मोतिया खान, पहाड़गंज, दिल्ली आकाश के ठिकाने पर पहुंची तो आकाश के परिजनों ने पुलिस पर हमला कर दिया। इस हमले में हैडकां0 हमेन्द्र व कां0 पंकज को चोट भी पहुंची।

अच्छी कामयाबी

मानव तस्करी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया



18 अगस्त, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने पुलिस मुख्यालय में उत्तर पूर्वी जिला के एक विशेष जांच दल के सदस्यों **एसीपी श्री रामचन्द्र, इंस्पेक्टर संजीव कुमार, इंस्पेक्टर मंगेश त्यागी, एसआई ममता, एएसआई राजऋषि, हैडकां0 विजय, हैडकां0 मनोज, हैडकां0 बिजेन्द्र कुमारमहिला महिला हैडकां0 नीरज, कां0 राजकुमार, कां0 अंकित, कां0 हवा सिंह, कां0 संतराम** तथा **कां अमित बालियान** को उनकी उत्कृष्ट जांच और एक महिला के अपहरण, व्याभिचार करने, धमकी देने, मानव तस्करी करने व मानव तस्करी जैसे संगीन आरोप में 8 आरोपियों को गिरफ्तार करने पर शाबाशी दी। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त (कानून–व्यवस्था उत्तरी) श्री एस.बी.के.सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री सतीश गोलचा** एवं **उपायुक्त पुलिस उत्तर–पूर्वी जिला श्री ए.के.सिंगला** भी उपस्थित थे। इस पुलिस टीम ने वर्ष 2006 मे जाफराबाद इलाके से अपहृत एक 12 वर्षीय लड़की के अपहरण, उसे दिल्ली, हरियाणा, पंजाब तथा देश के अन्य भागों में बेचने, उसके साथ अत्याचार करने वाले 8 आरोपियों को गिरफ्तार करने में बेहतरीन सफलता अर्जित की थी।

पुलिस कर्मियों पर फायरिंग करने वाले बदमाश को पकड़ने वाली टीम पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित



26 अगस्त, 2016 को पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा द्वारा दक्षिणी जिला की एक पुलिस टीम को उनकी बहादुरी और कर्तव्यनिष्ठा के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज, अति. उपा.पुलिस सुश्री नुपुर प्रसाद, अति.उपा.पुलिस श्री संजय भाटिया, एसीपी श्री राजेन्द्र सिंह पठानिया, है.कां. अवनीश कुमार व कां. सुरेन्द्र तथा टीम के अन्य सदस्य उपस्थित थे। 25 अगस्त की शाम है.कां. अवनीश व कां. सुरेन्द्र ने 3 मोटरसाईकिलों पर 4 युवकों को बहुत ही तेज गति व लापरवारी से जाते हुए देखा। जब इन दोनों पुलिस कर्मियों ने इन कार सवारों को रोकने का प्रयास किया तो एक मोटरसाईकिल सवार युवक ने पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। दोनों जांबाज पुलिसकर्मियों ने हिम्मत के साथ अपाची मोटरसाईकिल पर सवार अकरम नामक एक बदमाश को दबोच लिया। फयरिंग की वारदात होने पर साकेत पुलिस स्टेशन की टीम भी तत्काल मौके पर पहुँची। पकड़े गये बदमाश से पूछताछ पर पता चला कि किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने के उद्देश्य से यह मोटर मोटरसाईकिल मालवीय नगर इलाके से चोरी की थी। इसके अलावा अकरम ने बताया कि वह गांव गवारका, थाना ताउडू, जिला नुहू, हरियाणा का रहने वाला है और उसके फरार साथी भी उसी गांव के निवासी हैं और हम दिल्ली में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के उद्देश्य से घूम रहे थे। पुलिस टीम अन्य फरार बदमाशों की सरगर्मी से तलाश कर रही थी।

लगभग 55 लाख रूपये के लूटे गये मोबाइल फोन बरामद करने वाली टीम सम्मानित



27 अगस्त, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने दक्षिणी जिला के **नुपुर प्रसाद, अति0उपा0 पुलिस, श्री संजय भाटिया, अति0आयुक्त पुलिस, इंस्पेक्टर विजय सिंह चंदेल, एसआई प्रसून्न, हैडकां0 नरेन्द्र तथा कां0 संदीप व नरेन्द्र** की टीम को अपने कार्यालय में बुलाकर उनके शानदार तफ्तीश और कड़ी मेहनत के लिए शाबाशी दी। पुलिस टीम ने 3 अगस्त, 2016 को अमृतसर से दिल्ली के लिए चले एक ट्रक से लगभग 1619 मोबाइल फोन व 151 टैब्स के बॉक्स की वारदात सुलझाने में अहम भूमिका अदा की। शिकायतकर्ता शिवा ट्रांसपोर्ट सर्विस के मालिक रवि सहरावत ने महरौली पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अमृतसर से उसका सामान लेकर चला ट्रक और चालक दोनों लापता है और चालक का मोबाइल बंद है। 4 अगस्त को यह ट्रक 100 फुटा रोड़, छतरपुर में लावारिस खड़ा पाया गया। मामले की छानबीन में जुटी पुलिस टीम को 25 अगस्त को सूचना मिली कि रवि व रजत नामक दो ड्राइवर मारूति ईको कार में चोरी के बॉक्स लाद रहे हैं। पुलिस टीम ने दो लोगों को मौके से दबोचा और उनकी निशानदेही पर महरौली के एक मकान से चोरी का सामान बरामद करने में सफलता हासिल की। पुलिस टीम इस वारदात में शामिल दो अन्य आरोपियों एवं ट्रक चालक की सरगर्मी से तलाश कर रही थी।

बोर्ड परीक्षाओं में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले हमारे प्रतिशाली छात्र-छात्राऐं

जैसा कि हम सब जानते हैं कि बोर्ड की परीक्षाएं बच्चों के भविष्य का निर्धारण करने में अहम् भूमिका निभाती हैं। मुझे खुशी है कि दिल्ली पुलिस परिवार के बच्चों ने इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में शानदार सफलता पाई है। नौनिहाल शब्द का शाब्दिक अर्थ से हम सब भली–भाँति परिचित हैं कि जैसे 9 के गुणांक (पहाड़ा) को गुणा करते समय उसका योग 9 ही आयेगा। ठीक उसी प्रकार बच्चा चाहे किसी भी प्रकार की पारिवारिक पृष्ठभूमि से संबंधित क्यों न हो उसका मन एक समान निश्चल व साफ होता है। हमें जरूरत है अपने नौनिहालों को उचित मार्गदर्शन देने की, स्नेह देने की व उनके साथ अपना कुछ बहुमूल्य समय बिताने की ताकि अभिभावक व बच्चे एक दूसरे की भावनाओं को समझ सके और हमारे नौनिहाल उज्ज्वल भविष्य की तरफ अग्रसर हो सकें। बोर्ड परिक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभाशाली छात्र/छात्राओं को दिल्ली पुलिस परिवार की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं।



मोहक खत्री
सुपुत्र इंस्पेक्टर विजयपाल खत्री
(एस.ओ.टू. वि.पु.आ. सशस्त्र पुलिस)
कक्षा 12वीं 95%



लव अत्री
सुपुत्र कां0 सोमदत्त
(भ्रष्टाचार निरोधक शाखा)
कक्षा 12वीं 95%



हर्षा डबास
सुपुत्री हैडकां0 नरेन्द्र डबास
(राष्ट्रपति भवन)
कक्षा 12वीं 94%



रजत शर्मा
सुपुत्र है.कां. धर्मेन्द्र शर्मा
(स्पेशल सेल)
कक्षा 12वीं 94



गौरव पठानिया
सुपुत्र इंस्पेक्टर पंचम चंद पठानिया
(पुलिस मुख्यालय)
कक्षा 12वीं 93.5%



रोहित जेम्स
सुपुत्र हैडकां0 जेम्स टी एथंनी
(सीआरओ)
कक्षा 12वीं 93%



सयैद अब्बरार अहमद
सुपुत्र हैडकां0 सयैद नजरूला
(अपराध शाखा)
कक्षा 12वीं 93%



अनुष्का कौशिक
सुपुत्री एएसआई देवीदत्त
(स्पेशल सेल)
कक्षा 12वीं 93%



सिमरन सैनी
सुपुत्री हैडकां0 राकेश कुमार सैनी
(पुलिस मुख्यालय)
कक्षा 12वीं 91%



वर्णिका राजपूत
सुपुत्री कां0 सोमबीर सिंह
(पुलिस मुख्यालय)
कक्षा 12वीं 90%



रेवंत जे.
सुपुत्र कां0 जगन्निवासन
(पुलिस मुख्यालय)
कक्षा 12वीं 90%



अनुष्का शर्मा
सुपुत्री हैडकां0 अनिल कुमार
(भूमि एवं भवन)
कक्षा 10वीं 10 सीजीपीए



विनया नम्बियार
सुपुत्री
हैडकां0 सीबा नम्बियार
(दक्षिणी जिला)
कक्षा 10वीं 10 सीजीपीए



छाया देव
सुपुत्री हैडकां0 संजय कुमार
(सातवीं वाहिनी)
कक्षा 10वीं 10 सीजीपीए



आदित्य गोस्वामी
सुपुत्र एएसआई संजय शर्मा
(पूर्वी जिला)
कक्षा 10वीं 9.8 सीजीपीए



अर्जुन चंडोक
सुपुत्र एएसआई केवल किशन
(सीसीटीएनएस)
कक्षा 10वीं 9.8 सीजीपीए



युवराज कौशिक
सुपुत्र एएसआई देवीदत्त
(स्पेशल सेल)
कक्षा 10वीं 9.8 सीजीपीए



प्रतीक बशिष्ठा
सुपुत्र एसआई अंजना बशिष्ठा
(सीआरओ)
कक्षा 10वीं 9.8 सीजीपीए



विशाल
सुपुत्र एएसआई राज कुमार
(तृतीय वाहिनी)
कक्षा 10वीं 9.6 सीजीपीए



रीतिका यादव
सुपुत्री हैडकां0 उदयवीर सिंह यादव
(सातवीं वाहिनी)
कक्षा 10वीं 9सीजीपीए



शिराज़ जोसफ
सुपुत्री कां0 रोज़र जोसफ
(अपराध शाखा)
कक्षा 10 वीं 8 सीजीपीए

शुभकामनाएँ

मई व जून माह के दौरान 210 पुलिसकर्मी सेवानिवृत हुए हैं। इनमें से 7 पुलिसकर्मियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली है। दिल्ली पुलिस परिवार सेवानिवृत्त होने वाले सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करता है।

मई माह के दौरान सेवानिवृत्त पुलिसकर्मीः– एसआई सतेन्द्र पाल व एसआई ओमप्रकाश **(पुलिस मुख्यालय)**, एएसआई देवेन्द्र सिंह व एएसआई नरेश कुमार **(पश्चिमी जिला)**, एसआई धर्मबीर सिंह **(राष्ट्रपति भवन)**, इंस्पेक्टर धर्मबीर शर्मा व कां0 बीर सिंह **(दक्षिण–पश्चिमी जिला)**, एसआई धर्मपाल, एसआई सुबेराम, एसआई राजेन्द्र सिंह, एसआई हरिराम, एएसआई रमेशचन्द्र, एएसआई धर्मसिंह, एएसआई बिजेन्द्र सिंह, एएसआई रतिराम, एएसआई जगननाथ, एएसआई संतराम, एएसआई समेसिंह, एएसआई महाबीर सिंह, एएसआई रमेश कुमार, एएसआई रघुराज, एएसआई वेदसिंह **(पीसीआर)**, एसआई सत्यवीर सिंह वत्स, एसआई गंगा भसीन, हैडकां0 संतोख सिंह, हैडकां0 दलबीर सिंह तथा हैडकां0 जयभगवान **(बाहरी जिला)**, एसआई अनंगपाल **(रिजर्व बटालियन)**, एसआई सुभाशचंद, एसआई नारायण सिंह, एसआई रामकुमार, एसआई ब्रिजभूषण **(उत्तर–पश्चिमी जिला)**, एसआई गोविन्द सिंह तथा एएसआई जसबीर सिंह **(पूर्वी जिला)**, एसआई मोहम्मद रजाक **(सीएडब्लू सेल)**, इंस्पेक्टर अशोक कुमार तथा एमटीएस **(तृतीय वाहिनी)**, इंस्पेक्टर प्रकाश चंद **(नई दिल्ली जिला)**, हैडकां0 सुरेन्द्र कुमार व हैडकां0 राजकुमार **(प्रथम वाहिनी)**, एसआई देवीदत्त तथा एसआई राजबीर सिंह **(दक्षिण–पूर्वी जिला)**, एसआई जयप्रकाश, एसआई बलकार चंद, एसआई विजयपाल, एसआई मोहिन्द्र सिंह, एसआई फियाज़ अली **(संचार शाखा)**, एसआई राजकुमार, एसआई महिपाल सिंह तथा कां0 रोशन लाल टिक्कू **(स्पेशल ब्रांच)**, एसआई दयानन्द, एसआई उमेद सिंह, एसआई सत्यपाल, एसआई सुरेन्द्र सिंह तथा एमटीएस विनोद कुमार **(पीटीसी)**, एसआई अरशद अली, एसआई रूपसिंह, एसआई जगदीश चन्द्र, एसआई तुलसी बहादुर, हैडकां0 हरी सिंह, हैडकां0 सुभाष बी.एस, कां0 अभय सिंह,कां0 धर्मपाल **(दक्षिणी जिला)**, एसआई दलजीत सिंह तथा उएएसआई रामचन्द्र **(सातवीं वाहिनी)**, इंस्पेक्टर भरत सिंह, एसआई तिलक राज, एसआई राजकुमार, एसआई रामप्रसाद, एसआई बलबीर सिंह, एसआई रामकुमार, एसआई दिनेश भार्गव, एएसआई रामगोपाल, एएसआई रामप्रसाद, एएसआई वजीर सिंह, एसआई श्योचंद, एएसआई जवाहर सिंह, एएसआई हरीकिशन लाल, एएसआई ओमप्रकाश, हैडकां0 राजबीर सिंह छिल्लर, तथा हैडकां0 बालेश्वर **(सुरक्षा शाखा)**, एसआई रमेश चन्द्र **(पीएंडएल)**, एसआई दयानन्द व एमटीएस मोहिन्दर कुमार **(मध्य जिला)**, एएसआई ओंमप्रकाश **(अपराध शाखा)**, एसआई सुभाष चन्दर, हैडकां0 ईश्वर सिंह तथा एमटीएस चन्दर सिंह **(उत्तरी जिला)** तथा एसआई राम मेहर, एसआई अमना कुमार, एसआई रविन्द्र पाल सिंह, एसआई मोहिन्द्र पाल व एएसआई सुखदेव सिंह **(ट्रैफिक)**।

जून माह में सेवानिवृत्त होने वालों में शामिल हैंः– इंस्पेक्टर सुरेन्द्र सिंह, इंस्पेक्टर प्रताप सिंह गौतम, एसआई देवराज तथा एसआई सुरेन्द्र सिंह **(पुलिस मुख्यालय)**, एसआई लक्ष्मी नारायण, एसआई ललित मोहन, एसआई नवल सिंह तथा एएसआई रघुराज सिंह **(उत्तर–पूर्वी जिला)**, इंस्पेक्टर शंभूदयाल, एसआई मलक्यित सिंह, एएसआई राजेन्द्र कुमार, एसआई श्यामसुन्दर, एएसआई सुरेन्द्र कुमार **(दक्षिणी जिला)**, एसआई राज सिंह, एएसआई प्रिया सिंह, एसआई कृष्णचन्द्र, एसआई जलदान सिंह, एएसआई रामकुमार, एएसआई देवकुमार तथा हैडकां0 राजकंवर **(ट्रैफिक)** एसआई ब्रहमदेव तथा एमटीएस रतन लाल **(बाहरी जिला)**, एसआई सांवर मल, एसआई ओंम कंवर, एएसआई जयप्रकाश **(पश्चिमी जिला)**, एसआई जगदीश प्रसाद **(रेलवे मैट्रो)** एसआई कृष्ण कुमार, एसआई आजाद सिंह, एसआई हवा सिंह **(उत्तर–पश्चिमी जिला)**, इंस्पेक्टर शमशेर सिंह **(आईजीआई एयरपोर्ट)**, एसआई अर्जुन सिंह **(मध्य जिला)**, एसआई जनक सिंह **(एफआरआरओ)**, एसआई जगदीश सिंह, एसआई उमेश सिंह, एएसआई कृष्ण कुमार, एएसआई सुरजभान, हैडकां0 रामदत्त **(दक्षिण–पश्चिमी जिला)**, एसआई सुमेर सिंह, एसआई हरबीर सिंह हैडकां0 धर्मबीर व हैडकां0 सरदार सिंह **(पीटीसी)** एसआई रणबीर सिंह, एसआई नफेसिंह, एसआई पत्तुभाई, एसआई कृष्णकांत, एसआई ब्रहमप्रकाश, एसआई बालेसिंह, एसआई राजसिंह, एसआई बलबीर सिंह, एएसआई इस्माइल खान, एएसआई राजबीर सिंह, एएसआई छतर सिंह, एसआई रणबीर सिंह, एसआई जयसिंहं, एएसआई तारादत्त, एएसआई सत्यवीर सिंह, हैडकां0 नरेश कुमार, हैडकां0 रामकुमार, कां0 पाटिल प्रशांत बालेश्वर राव **(पीसीआर)** इंस्पेक्टर विक्रम सिंह, इंस्पेक्टर बिजेन्द्र पाल ढ़ाका, एसआई महादेवन टी.डी, एसआई सीताराम, एसआई एन. शैलवराज, एसआई जीवनराम, एसआई रमेश कुमार, एसआई सत्यवीर सिंह, एसआई अतर सिंह, एसआई दलीप कुमार, एसआई रोशन मीणा, एएसआई अब्दुल अफसर, एएसआई धर्मपाल, एएसआई रविन्द्र कुमार, एएसआई राजपाल, एएसआई मोहन सिंह, एएसआई हुक्म सिंह, हैडकां0 जगबीर सिंह **(सुरक्षा शाखा)** इंस्पेक्टर शाहिद खान, एसआई सतीश कुमार तथा एसआई श्याम सुन्दर **(विशेष शाखा)** एसआई सुशील कुमार,एसआई शिवराज सिंह, एसआई सतपाल, एसआई गोविन्द, हैडकां0 रमेश लाल (अपराध शाखा), एएसआई ईश्वर चन्द्र, एएसआई राजबीर, कां0 बाले सिंह **(पीएंडएल)** एसआई ब्रहमदत्त, एसआई हशरत अली, एएसआई रावल चन्द्र, एएसआई जगदीश **(दक्षिण–पूर्वी जिला)**, इंस्पेक्टर रमेश चन्द्र, एसआई एक्स पी.के.,एसआई नूर मोहम्मद **(संचार शाखा)** एसआई प्रताप चंद, एएसआई मोहन सिंह **(सातवीं वाहिनी)**, एसआई कवंर सिंह, एएसआई श्याम सिंह, एएसआई तेजपाल, एएसआई राजेन्द्र सिंह **(उत्तरी जिला)** एमटीएस ओमप्रकाश **(तृतीय वाहिनी)** एसआई नरेन्द्र सिंह, एएसआई अशोक कुमार तथा हैडकां0 मोहम्मद वी. **(नई दिल्ली जिला)**।

श्रद्धांजलि

मई व जून माह 2016 के दौरान 37 पुलिसकर्मियों की सेवाकाल के दौरान विभिन्न कारणों से असमय मृत्यु हो गई। असमय बिछुड़ गये अपने इन दिवंगत साथियों के आश्रितों के प्रति पुलिस परिवार अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है।

मई माह दिवंगत साथियों में शामिल हैं : एसीपी श्री खड़क सिंह सिंधू **(अपराध)**, एएसआई देवराज **(उत्तर–पूर्वी जिला)**, हैडकां0 रणबीर सिंह तथा हैडकां0 जीत राम **(दक्षिण–पूर्वी जिला)**, कां0 अनूज मलिक **(नई दिल्ली जिला)**, हैडकां0 ब्रिजपाल सिंह **(सुरक्षा)**, कां0 योगराज **(उत्तर पश्चिमी जिला)**, कां0 छोटू सिंह **(पांचवी वाहिनी)**, कां0 गुंजा सोनोवाल **(पीसीआर)**, हैडकां0 मोहन लाल **(सातवीं वाहिनी)**, कां0 अनिल कुमार **(उत्तर–पूर्वी जिला)**, हैडकां0 महावीर प्रसाद मीणा **(पश्चिमी जिला)**, कां0 रामबीर सिंह **(राष्ट्रपति भवन)**, कां0 रविन्द्र सिंह तथा एमटीएस लीला देवी **(मध्य जिला)** तथा एमटीएस हृदयराम **(पीटीसी)**।

जून माह के दिवंगत पुलिसकर्मीः– एसआई जयकिशन **(सुरक्षा)**, एसआई जयवीर सिंह **(यातायात)**, एसआई देवेन्द्र सिंह राणा, हैडकां0 सुखबीर सिंह तथा कां0 नेतराज **(पीसीआर)**, एएसआई जसवंत सिंह, हैडकां0 चांद सिंह व कां0 नवीन कुमार **(मध्य जिला)**, एएसआई राजकुमार **(संचार शाखा)**, कां0 कमल कुमार **(पीटीसी)**, कां0 दीपक कुमार **(दक्षिणी जिला)**, एएसआई विजय सिंह तथा हैडकां नरेश कुमार **(बाहरी जिला)**, कां0 देवेन्द्र सोलंकी **(द्वितीय वाहिनी)**, कां0 महाबीर सिंह **(उत्तर–पूर्वी जिला)**, हैडकां0 सुरेश कुमार **(दक्षिण–पश्चिमी जिला)**, कां0 कैलाश प्रसाद बैरवा **(उत्तरी जिला)**, कां0 धर्मेन्द्र कुमार **(उत्तर–पश्चिमी जिला)**, कां0 जितेन्द्र प्रताप **(राष्ट्रपति भवन)**, हैडकां0 वेदपाल सिंह (पूर्वी जिला) तथा एमटीएस सोहन पाल।

31 जुलाई 2016 को सेवानिवृत हुए पुलिस अधिकारीगण


एसीपी श्री नरेन्द्र कुमार बिष्ट (यातायात)


एसीपी श्री कमल कुमार महेन्दु (डीईसेल)


एसीपी श्री लाला राम मीणा (सुरक्षा)


एसीपी श्री लक्ष्मी नारायण मिश्रा (सुरक्षा)


एसीपी श्री मंगल चंद मीणा (सुरक्षा)


एसीपी श्री मुरलीधर मीणा (पीएंडएल)


एसीपी श्री राजेन्द्र सिंह शील (पीसीआर)


एसीपी श्री राजेन्द्र सिंह (सतर्कता)


एसीपी श्री ऋषिपाल (यातायात)


एसीपी श्री सफदर अली (सुरक्षा)

31 अगस्त 2016 को सेवानिवृत हुए पुलिस अधिकारीगण


संयुक्त पु.आ. श्री एस. दास (लाईसेंसिंग)


अति.आ.पु. श्री ऐ.के. सिंह (दि.स.पु.)


अति.आ.पु. श्री अजय कुमार (सुरक्षा)


एसीपी श्री नियमपाल सिंह (यातायात)


एसीपी श्री जगदीश चन्द्र पांडे (पीएंडएल)


एसीपी श्री पोपेन्द्र पाल सिंह (मेट्रो)


एसीपी श्री ओमप्रकाश (सुरक्षा)

फोटो : रोज़र

दिल्ली पुलिस परिवार सेवानिवृत्त होने वाले सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है।

हमारी आचार संहिता

पुलिस विभाग में अनुशासन का वही स्थान है, जो शरीर में रक्त का जैसे दूषित रक्त से शरीर में अपंगता आ जाती है, ठीक उसी प्रकार पुलिस जैसे अनुशासित बल के किसी भी तंत्र में अनुशासनहीनता आने पर उसमें शिशिलता आने लगती है। इसीलिए पुलिस में अनुशासन और शरीर में रक्त का संचालन सदैव बना रहना अति आवष्यक है।


सम्पादक

सम्पादक : श्री राजीव रंजन उपायुक्त पुलिस (सामान्य प्रशासन)
एवं सह-सम्पादक : उप-नि. सतबीर सिंह, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली।


सह-सम्पादक